प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, क्योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 27
2016-17

दैनिक यशोन्नति

वर्ष 8+15 अंक 67 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी मंगलवार 04 जुलाई 2023 | संपादक-मनोज मदन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार ..... पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

छिन्न भिन्न हो चुकी है नगर की यातायात व्यवस्था

सिवनी यशो:- शहर के मुख्य बाजारों की सड़कों पर फिर से स्टेंट बोर्ड लगवाने, प्रतिष्ठनों के बाहर सामान रखने तथा प्रतिष्ठानों के सामने दुपहिया चौ पाहिया वाहन खड़े होने से यातायात व्यवस्था फिर से चरमरा गई है। शहर के बाजारों के आसपास वाहन पार्किंग सुविधा नहीं होने से स्थितियां और ज्यादा बिगड़ गई है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान खत्म होने के बाद निगरानी न होने के कारण निगरानी के अभाव में व्यापारियों ने फिर से प्रतिष्ठानो के बाहर स्टेंट बोर्ड, सामान और बेतरतीब रूप से खड़े दुपहिया चौपहिया वाहनों के कारण बाजारों में राहगीरों और आमजनों को चलने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि नगरपालिका और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर पिछले समय ही लंबा अभियान चलाकर सिवनी नगर के व्यस्ततम बाजारों से व्यापारियों का अतिक्रमण हटाया था। लेकिन, अभियान के बाद लचर मॉनिटरिंग के कारण बाजारों में स्थितियां फिर से पहले जैसी हो गई है।

आधी सड़को तक व्यापारियों का फैला है व्यापार

नगर के सीमित क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियाँ अधिक होती है विशेष व्यापार के लिये कुछ विशेष क्षेत्र चिन्हित है और उन चिन्हित क्षेत्रों में लगातार व्यापारियों की संख्या बढ़ी, उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी साथ ही पिछले कुछ वर्षों की अपेक्षा वर्तमान में यातायात का दबाव भी कई गुना अधिक हो गया है। तेजी से बढ़ते इस दबाव के साथ ही सामाजिक मर्यादाओं का तानाबाना छिन्न भिन्न होने के कारण जरासा धक्का लगने पर मारपीट और अश्लील भाषा का प्रयोग होने लगता है अस्त व्यस्त यातायात के कारण आयेदिन कहा सुनी मारपीट होते रहती है।

वाहन पार्किंग स्थलों का अभाव

व्यस्ततम बाजारो में दुपहिया वाहन तो लगातार बढ़ रहे हैं,जबकि वाहनों के लिए पार्किंग स्थल नहीं होने से अधिकांश दुपहिया वाहन अपने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर ही सड़क पर खड़े किए जा रहे हैं। इसमें कई चालक तो अपने वाहन अवस्थित रूप से सड़क पर ही खड़े कर रहे है,जिससे राहगीरों को आने जाने में परेशानी हो रही है।

बाजार में अधिक वाहन सड़को पर ही खड़े किए जा रहे है। इसके साथ ही मुख्य बाजार में ऑटो रिक्शा व फोर व्हीलर वाहनों धमाचौकड़ी भी होती है। नगरीय क्षेत्र के बुधवारी बाजार, नेहरू रोड, बाहुबलि चौक शुक्रवारी, बस स्टैण्ड, गणेश चौक, छिंदवाड़ा क्षेत्र में वाहनों के बेतरतीब वाहन खड़े हो रहे है और इसके साथ ही नगर के हर क्षेत्र मे आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी ने यातायात व्यवस्था को तारतार कर दिया है।

बीच सड़क में खड़े होते है चौपहिया वाहन

वही नगरीय क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को ध्वस्त करने में एक और बड़ा कारण यह माना जा रहा है कि अनेक दुपहिया एवं चौपाहिया वाहन धारक ऐसे है जिनके पास अपने वाहन रखने के स्थान नहीं है और ऐसे वाहन धारक अपने वाहनों को सड़क के किनारे पार्क देते है उनके द्वारा सड़कों के किनारे वाहनो की पार्किग से किसी को कितनी भी परेशानी हो उससे उन्हें कोई लेना देना नहीं परेशानी वहाँ और अधिक बढ़ जाती है जहाँ की गलियाँ सकरी है और सकरी गलियों में ऐसे चौपाहिया वाहनों की लाईने लगी रहती है।

प्रतिष्ठानों के सामने वाहनों की मनमानी पार्किंग सुचारू यातायात के लिये चुनौती तो है ही कानून व्यवस्था में भी खलल पैदा करने वाली साबित हो रही है। पिछले दिनों बारापत्थर बाहुबलि चौक में जो झगड़ा हुआ वह वाहन पार्किंग की अव्यवस्था का ही कारण बताया जा रहा है। छोटी सी बात पर कहा सुनी इस स्तर तक बढ़कर पूरे क्षेत्र में अशांति फैलाने वाली सिद्ध होती है।

नगरीय क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिये नगरीय प्रशासन और यातायात प्रशासन को प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है अन्यथा किसी दिन अप्रिय स्थिती उत्पन्न हो सकती है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिंघल की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक सम्पन्न

सिवनी यशो:- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र.भोपाल के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन 23 एवं द्वितीय सक्षीस पुनरीक्षण 23 अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी क्षितिज सिंघल एवं अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सीएल चनाप की अध्यक्षता में मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के प्रस्ताव के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चनाप द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदान केन्द्रों के नवीन प्रस्तावित मतदान केन्द्र एवं अनुभाग परिवर्तन के संबंध में जानकारी से अवगत कराया गया। साथ ही राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बीएलए की नियुक्ति किए जाने निर्देश दिए गए तथा द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान अधिक से अधिक नवीन मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में जुड़वाने की अपील की गई। बैठक मे अन्य संबंधित अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

डांगावानी उपसरपंच पर प्राणघातक हमला

सिवनी यशो:- जिले के छपारा ब्लाक अन्तर्गत आने वाले ग्राम डांगावानी में ईट भट्टे का कारोबार करने वाले ग्राम पंचायत के उपसरपंच राधेश्याम प्रजापति के ऊपर तीन बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने चाकू से किया प्राणघातक हमला..

चमारी गांव के उप तहसील कार्यालय के पास रात के अंधेरे में रोककर किया हमला जान छुपाने के लिए झाड़ के पास छुपे रहे उपसरपंच पर दो राउंड पिस्टल से की फायरिंग फिलहाल अज्ञात बाइक सवार बदमाश फरार हैं छपारा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना युवाओं को रोजगार से जोड़ेगी -मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 4 जुलाई को होने वाले राज्य-स्तरीय कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की

सिवनी यशो:- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना से प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को उद्योग उन्मुख नई तकनीक और प्रक्रियाओं में दक्षता लाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे उन्हें सहजता से रोजगार प्राप्त हो सकेगा। यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व भवन में मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में युवा आवेदकों के लिये पंजीयन प्रक्रिया के शुभारंभ के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। यह कार्यक्रम 4 जुलाई को दोहपर 12 बजे भोपाल के रवीन्द्र भवन में होगा। इसमें एमएमएसकेवाय (MMSKY) पोर्टल का शुभारंभ होगा और पंजीयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री, कॉलेज के छात्र-छात्राओं से संवाद भी करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल? सिंह बैंस सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना का शुभारंभ कार्यक्रम बेहतर और व्यवस्थित हो। कार्यक्रम में रोजगार-स्वरोजगार की जानकारी दी जाए। पंजीयन फार्म भरने का तरीका समझाया जाए। पंजीयन के बाद प्रोफाइल पूर्ण करने की प्रक्रिया आदि के बारे में बताया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के आवेदको को समग्र आईडी, शैक्षणिक योग्यता, डिग्री आदि की आवश्यकता होगी। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, आईटीआई और उच्च शिक्षा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ कक्षा 11वीं-12वीं के विद्यार्थियों को भी जोड़ा जाए। कार्यक्रम का प्रत्येक जिला मुख्यालय पर प्रसारण हो। योजना और कार्यक्रम का विभिन्न प्लेटफार्म से बेहतर प्रचार-प्रसार ? किया जाए।

कलेक्टर ने लंबित शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की अधिकारियों को दिये निर्देश

समय सीमा बैठक संपन्न

सिवनी यशो:- कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में सोमवार 03 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती निधि सिंह राजपूत, अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप सहित, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी सुश्री मेघा शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बरघाट सहित सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति रही एवं विकासखण्डस्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

समय सोमा बैठक में कलेक्टर श्री सिंघल ने सीएम हेल्पलाईन, समय सीमा में दर्ज प्रकरणों, पीजी पोर्टल मे 50 एवं 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिक शिकायतों वाले राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य विभाग सहित अन्य सभी विभाग प्रमुखों को शिकायतकर्ता से त्वरित सम्पर्क कर शिकायतों का सतुष्टिपूर्वक निराकरण कर फॉलोअप दर्ज करने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने जन शिकायत, सीएम मॉनिट, माननीय सांसद, माननीय विधायकगणों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के पत्रों में कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश संबंधित अधिकरियों को दिए।

कलेक्टर श्री सिंघल मिशन वात्सलय योजना अंतर्गत जिले के जिन बच्चों के कोई नजदीकी सदस्य (माता-पिता या पिता) नहीं हैं तथा जिनकी वित्तीय सहायता या सुरक्षा का कोई अन्य साधन नहीं है ऐसे सभी बच्चों का चिन्हांकन कर योजना से जोड़ते हुए लाभांवित करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी, सीएमओ, सीईओ एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को विभाग अंतर्गत लंबित सीमांकन प्रकरणों सहित अन्य प्रकरणों को त्वरित निराकृत करने तथा छात्र-छात्राओं के बन रहे जाति प्रमाण पत्रों पर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने गेहूं उपार्जन, मूंग उपार्जन, लाड़ली बहना योजना, राशन वितरण, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, मुख्य मंत्री जनसेवा अभियान द्वितीय चरण अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति, अवैध कालोनियों के वैध करने की कार्यवाही, खाद भण्डारण एवं वितरण की स्थिति सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं प्रगतिरत कार्यो की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित विभागधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री सिंघल ने बारिस मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सभी अनुविभागीय अधिकारी, सीईओ जनपद एवं सीएमओ सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों में डूब प्रभावी क्षेत्रों का चिन्हांकन कर राहत बचाव की सभी जरूरी तैयारियां एवं आवश्यक संसाधनों का पर्याप्त स्टॉक रखने तथा अधिक वर्षा के उपरांत डूबने वाले पुल-पुलियों को बेरिकेटिंग कराने एवं जल भराव वाले पिकनिक स्पॉट, दर्शनिक स्थल, नदी, तालाबों सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के नाले-नालियों की साफ-सफाई, खराब सड़कों का मरम्मत करवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी तरह उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले स्थित सभी डेम-तालाबों के जल भराव क्षमता एवं स्थिति की जानकारी देने के साथ ही डेम तालाब का भौतिक सत्यान आवश्यकतानुरूप मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंघल ने विधानसभा निर्वाचन- 23 मद्देनजर निर्वाचन कार्यो से जुड़े अधिकारियों को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार संबंधित मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन कर रैंप, सीढ़ी, बिजली, पेयजल आपूर्ति सहित सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन कार्यों के सुलभ संचालन मतदान केन्द्रों का व्यवस्थित रूट चार्ट बनाने के निर्देश दिए।

कांग्रेस मनायेगी विवेकानंद पुण्यतिथि

सिवनीयशो:- समाज सुधारक आध्यात्मिक गुरू स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में 4 जुलाई 2023, दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे मनाई जायेगी।

जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री ब्रजेशसिंह (लल्लू) बघेल ने समस्त कांग्रेस जनों से स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील की है।

जबरन नॉलेज

बड़ी गाडियों का कमल है
काका हा हा हा

भारत विकास परिषद ने चिकित्सको का किया सम्मान

सिवनी यशो:- भारत विकास परिषद शाखा सिवनी के द्वारा 1 जुलाई चिकित्सक दिवस के अवसर पर जिले के प्रतिष्ठित चिकित्सकों का सम्मान किया गया भारत विकास परिषद सिवनी शाखा की ओर से सिवनी के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉक्टर से डि एस सेंगर, डॉ विजय सरीन डॉ एम एन सूर्यवंशी डॉ एम. एन त्रिवेदी, डॉ पुष्पा टेकाम, डॉ दिनेश शर्मा एवं श्री अभिजीत चौहान का शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया गया होटल नटराज में रात्रि 9:00 बजे किए गए इस सम्मान समारोह में परिषद के प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री सुनील मालू जी, प्रांतीय संरक्षक श्री गणेश गुप्ता जी एवं प्रांतीय सदस्य डॉ श्री प्रफुल्ल श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष श्री सुबोध बाझल, सचिव श्री डॉ गजेंद्र डहरवाल, कोषाध्यक्ष श्री अंकित नाहर, पं राजेन्द्र पांडे जी, महेश अग्रवाल जी बंडोल, तरुण जैन, शिशिर बक्शी जी, सुधीर नाहटा जी, विक्की सनोडिया, नीरज जैन, पंकज मालू, , सुयश नाहटा, शुभम नाहटा एवं महिला इकाई से श्रीमती शिल्पा बख्शी, शताद्री बाझल, आदि गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे सम्मान समारोह में मंच संचालन करते हुए डॉ गजेंद्र डहरवाल जी ने चिकित्सकों की भूमिका, जिम्मेदारी एवं उत्तरदायित्व के साथ ही उनके सामाजिक सहयोग की भी भूरि भूरि प्रशंसा की। सम्मान समारोह के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष सुबोध बाझल जी ने आभार प्रदर्शन किया।

छपारा अस्पताल में युवाओं ने दी ईसीजी मशीन-मरीजों की नि:शुल्क होगी जांच, कई ग्राम के लोगों को मिलेगा लाभ

छपारा यशो:- सिवनी जिले के छपारा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नगर के युवाओं की पहल पर स्वास्थ्य केंद्र में ईसीजी मशीन उपलब्ध कराई गई। नगर के युवाओं की ओर से स्वेच्छा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को ईसीजी मशीन उपलब्ध कराई गई है। जिसकी जांच निशुल्क रहेगी।

दरअसल नगर के युवा अमरजीत पटवा ,चक्रेश सिंह ठाकुर सहित और भी युवाओं ने बताया की ईसीजी सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध नहीं रहने से लंबी दूरी तय कर अस्पताल आने वाले लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनों की समस्या को देखते हुए युवाओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को ईसीजी मशीन उपलब्ध कराने की इच्छा जताई थी। युवाओं की प्रेरणादायक पहल से एक और जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क ईसीजी मशीन की जांच सुविधा की शुरुआत हो गई और ईसीजी मशीन स्वास्थ्य केंद्र में सौंपा गया।

इस अवसर पर जयदीप सिंह चौहान, नवनीत सिंह, शिवकांत सिंह ठाकुर, चक्रेश सिंह ठाकुर, मिथुन ठाकुर, विजय साहू बीएमओ डॉक्टर टीएस इनवाती, टेक्नीशियन संजय पाचपांडे ओंकार सिंह, हाशिम खान, सुनील गोयल सहित लोग उपस्थित रहे।

मांगुर मछली का विनिष्टीकरण कराया गया

सिवनी यशो:- जिले मत्स्य प्रजनन अवधि बंद ऋतु के दौरान जिले में मत्स्याखेट एवं मत्स्य विक्रय प्रतिबंधित है। इसी परिपेक्ष्य में उप संचालक मत्स्योद्योग सिवनी श्री के एल मरावी एवं सहायक मत्स्य अधिकारी श्री मुकुन्दराव बंसोड्कर, निरंजन बेलिया, पिकेश गभने एवं होमगार्ड जवान विजय साहू द्वारा विकासखण्ड केवलारी अंतर्गत ग्राम उगली एवं ग्राम पलारी साप्ताहिक हाट बाजार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम उगली के हाट बाजार से भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित थाईलैण्ड मांगूर मछली लगभग 60 किलो ग्राम जप्त कर शासन निर्देशानुसार मछली को जमीन में गाड़कर नष्ट कराया गया। विदित हो कि थाईलैण्ड मांगूर मछली मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इसके सेवन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होती है। इसी तरह दल द्वारा हाट बाजार से लगभग 45 किग्रा मेजर कार्प मछली भी जप्त कर नीलामी की कार्यवाही की गई।

प्राचीन काल में भारत शिक्षा का वैश्विक केंद्र था, इस गौरव को पुनः प्राप्त करना अब जरूरी

प्रहलाद सबनानी-

- ज्ञान मनुष्य का तीसरा नेत्र
- विश्व की सबसे पुरानी एवं महान संस्कृति भारतीय
- 4 वेद, 6 वेदांग, 14 विधायें, 18 शिल्प, 64 कलायें,
- से विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय शिक्षा पद्धति को तहस नहस कर दिया

भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे पुरानी एवं महान संस्कृति मानी जाती है एवं भारत में शिक्षा को अत्यधिक महत्व देकर इसे प्रकाश का स्त्रोत मानकर मानव जीवन के विभिन क्षेत्रों को आलोकित किया जाता रहा है एवं यहां आध्यात्मिक उत्थान तथा भौतिक एवं विभिन्न उत्तरदायित्वों के विधिवत निर्वहन के लिये शिक्षा की महती आवश्यकता को सदा स्वीकार किया गया है। इस नाते प्राचीन काल से लेकर भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण सभ्यताओं में से एक मानी जाती रही है।

भारत के विभिन्न वेदों, उपनिषदों एवं पुराणों में यह बताया भी गया है कि ज्ञान मनुष्य का तीसरा नेत्र है जो उसे समस्त तत्वों के मूल को जानने एवं जीवन की समस्त कठिनाईयों तथा बाधाओं को दूर करने में सहायता प्रदान करता है तथा सही कार्यों को करने की विधि बताता है। भारत में ज्ञान को मोक्ष का साधन भी माना गया है। प्राचीन भारतीयों का यह दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा द्वारा प्राप्त एवं विकसित की गयी बुद्धि ही मनुष्य की वास्तविक शक्ति होती है।

प्राचीन भारतीय शिक्षा के पाठ्यक्रम में 4 वेद, 6 वेदांग, 14 विधायें, 18 शिल्प, 64 कलायें, आदि समाहित होते थे। चीन के हुएनसांग तथा अल्बेरूनी द्वारा लिखित साहित्य के माध्यम से उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्राचीन काल में भारत में ज्योतिष की शिक्षा एवं व्याकरण का बहुत अधिक प्रचलन था। विभिन्न राजदरबारों में ज्योतिषियों को प्रमुख स्थान दिया जाता था तथा विभिन्न शिक्षा केन्द्रों में धार्मिक एवं आध्यात्मिक विषयों के साथ ही लौकिक विषयों की शिक्षा भी सुचारु रूप से प्रदान की जाती थी।

तक्षशिला, पाटलीपुत्र, कान्यकुब्ज, मिथिला, धारा, तंजोर, काशी, कर्नाटक, नासिक आदि शिक्षा के प्रमुख वैश्विक केंद्र थे जहां विभिन्न देशों से छात्र शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। कालांतर में नालन्दा विश्वविद्यालय (450 ई), वल्लभी (700 ई), विक्रमशिला (800 ई), आदि शिक्षण संस्थाएं भी स्थापित हुई थीं। तक्षशिला विश्वविद्यालय (400 ई के पूर्व) विश्व के प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में से एक रहा हैं एवं चाणक्य इस विश्वविद्यालय के आचार्य रहे हैं। इन वैश्विक शिक्षा केंद्रों में विद्यार्थी अध्ययन करके स्वतन्त्र रूप से जीविकोपार्जन करने हेतु धन अर्जन करने योग्य बन जाते थे।

परंतु पिछले 1000 वर्षों के दौरान अरब से विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय शिक्षा पद्धति को तहस नहस कर दिया गया एवं तक्षशिला, नालंदा एवं पाटलीपुत्र जैसे बड़े विश्वविद्यालयों में स्थापित भव्य पुस्तकालयों में जमा लाखों पुस्तकों को जला दिया गया एवं भारतीयों में यह भावना कूट कूट कर भर दी गई कि भारतीय संस्कृति तो जाहिलों की संस्कृति है एवं अरबी एवं अंग्रेजी संस्कृति कहीं अधिक महान हैं। इस सबका परिणाम यह हुआ कि भारतीय शिक्षा पद्धति एक तरह से खत्म ही हो गई।

हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के तुरंत बाद भारत में भारतीय शिक्षा पद्धति को पुनः प्रतिस्थापित किए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए थे परंतु ऐसा कुछ हुआ नहीं और आज इसका परिणाम यह हुआ है कि आज कई भारतीयों द्वारा विदेशों में जाकर शिक्षा ग्रहण की जा रही है।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि यूक्रेन जैसे छोटे से देश में आज लगभग 18,000 से अधिक भारतीय डाक्टर बनने हेतु वहां पर पढ़ाई कर रहे हैं। एक अन्य अनुमान के अनुसार न केवल यूक्रेन बल्कि आज विश्व के लगभग 85 देशों में 11 लाख से अधिक भारतीय शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रतिवर्ष जाते हैं और इन छात्रों की पढ़ाई पर देश की लगभग 10,000 करोड़ की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा (अमेरिकी डॉलर) खर्च होते हैं। आजादी के बाद के लगभग 67 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र, चिकित्सा सहित, पर विशेष ध्यान ही नहीं दिया गया, इसके कारण यूक्रेन जैसे छोटे से देश में इतनी बड़ी संख्या में भारतीय चिकित्सा क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण करने के लिए जा रहे हैं एवं युद्ध की स्थिति होने पर भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

यह तो तब है जब पिछले 7 वर्षों के दौरान देश में चिकित्सा स्नातक एवं स्नातकोत्तर सीटों की संख्या में 80 प्रतिशत की वृद्धि की गई है एवं मेडिकल महाविद्यालयों की संख्या 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 596 तक पहुंच गई है। अब तो देश के प्रत्येक जिले में कम से कम एक चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित करने हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

दूसरे, भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा बहुत महंगी है, इसके कारण भी भारतीय यूक्रेन जैसे छोटे छोटे देशों की ओर रूख कर रहे हैं। भारत में जहां निजी क्षेत्र के चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस का कोर्स करने के लिए 80-100 लाख रुपए खर्च होते हैं वहीं यूक्रेन जैसे छोटे देशों में यह कोर्स पूरा करने में 20-30 लाख रुपए ही खर्च होते हैं।

भारत में चिकित्सा का कोर्स पूरा करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र के चिकित्सा महाविद्यालयों में आवेदक उम्मीदवारों की तुलना में उपलब्ध सीटों की संख्या बहुत कम है। चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करने के लिए भारत में लगभग 16 लाख छात्र परीक्षा देते हैं जबकि उपलब्ध सीटों की संख्या लगभग 1,40,000 के आसपास है। इस प्रकार इतनी बड़ी संख्या में जिन छात्रों का चयन नहीं हो पाता है वे यूक्रेन जैसे छोटे छोटे देशों की ओर चिकित्सा क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाने को मजबूर होते हैं।

यूक्रेन की घटना ने भारत में शिक्षा क्षेत्र की सोचनीय स्थिति को उजागर कर दिया है। चिकित्सा महाविद्यालयों का कम होना, चिकित्सा के क्षेत्र में सीटों की संख्या कम होना, शिक्षा का तुलनात्मक रूप से बहुत महंगा होना, आदि कमियां मुख्य रूप से उजागर हुई हैं। इन कमियों को तुरंत दूर कर शिक्षा के क्षेत्र को वापिस पटरी पर लाकर देश के आर्थिक विकास को भी गति दी जा सकती है। कई विकसित देशों जैसे अमेरिका, कनाडा, यूके, जर्मनी आदि में पूरे विश्व से लाखों की संख्या में विद्यार्थी पढ़ने के लिए जाते हैं एवं इन देशों में भारी राशि प्रतिवर्ष खर्च करते हैं इससे इन देशों की अर्थव्यवस्था को बल मिलता है।

अकेले अमेरिका एवं कनाडा में ही प्रतिवर्ष दो लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने हेतु केवल भारत से पहुंचते हैं, इसी प्रकार आस्ट्रेलिया में लगभग एक लाख, ब्रिटेन में लगभग 50,000 विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षा अर्जन के लिए भारत से पहुंचते हैं।

इसके ठीक विपरीत, प्राचीन भारत में विदेशों से विद्यार्थी शिक्षा अर्जन के लिए भारत आते थे। क्या भारत में शिक्षा व्यवस्था में सुधार कर पुनः विदेशों को भारत में शिक्षा अर्जन हेतु आकर्षित नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए हमें भारत की शिक्षा प्रणाली में आमूल चूल परिवर्तन करने होंगे और भारतीय संस्कृति की मजबूत जड़ों की ओर पुनः लौटना होगा।

विकसित देशों में बसे लोग आज भौतिकवादी नीतियों से बहुत परेशानी महसूस कर रहे हैं। आज अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की आधी से ज़्यादा आबादी मानसिक रोग से पीड़ित हैं और वे इन मानसिक बीमारियों से निजात पाना चाहते हैं। जिसका हल केवल भारतीय प्राचीन संस्कृति को अपनाकर ही निकाला जा सकता है।

मध्य प्रदेश के एक परिवार को सरकारी योजनाओं से मिलते हैं 84 हजार रुपये, सीएम शिवराज ने दी जानकारी

भोपाल - मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि वह %लाडली बहना योजना% का स्वीकृति पत्र बांटने के लिए एक परिवार के पास पहुंचे. इस दौरान तीन महिलाएं उनके पास पहुंची. उन्होंने पूछा कि आप तीनों बहने हैं क्या? तो मुख्यमंत्री को जवाब मिला कि वे तीनों घर की बहू हैं. उन्हें एक-एक हजार महीना सरकार की ओर से मिलने वाला है. इसके बाद जब उनके परिवार की कृषि भूमि के बारे में जानकारी हासिल की गई तो पता चला कि 5 हेक्टेयर से कम भूमि है.इस प्रकार उन परिवार को सरकार की ओर से किसान कल्याण सम्मान निधि के रूप में तीन हजार रुपये प्रति माह प्राप्त हो रहा है.इस प्रकार वर्ष भर में लाडली बहना और किसान सम्मान निधि से 72 हजार रुपये की राशि खाते में आ रही है. इसी तरह उनके घर में लाडली लक्ष्मी में मौजूद थी. उसे कालेज में साढे बारह हजार रुपये प्राप्त हुए. इस प्रकार एक परिवार को 84 हजार रुपये की राशि सरकार की ओर से मिल रही है. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के जरिए पांच लाख तक का इलाज सहित अन्य योजनाएं अभी अलग से बाकी हैं.

किसानों को राहत और मुआवजा राशि बढ़ाई

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि मध्य प्रदेश में किसानों की सरकार और मध्य प्रदेश देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां पर इतनी सारी योजनाओं को एक साथ चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पहले जनहानि होने पर 50 हजार रुपये की राशि मिलती थी. इसे बढ़ाकर अब चार लाख रुपये कर दिया गया है.पशु हानि होने पर 675 रुपये की राशि को बढ़ाकर साढ़े 37 हजार रुपये और मकान की क्षति होने पर 12 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख 20 हजार रुपये कर दी गई है.

मुख्यमंत्री 4 जुलाई को करेंगे मुख्यमंत्री सीखो- कमाओ योजना के पंजीयन की शुरुआत

युवाओं से संवाद भी होगा

अब तक 10 हज़ार से अधिक प्रतिष्ठानों ने किया पंजीयन, लगभग 34 हजार 690 वेकेन्सी निर्मित

भोपाल - मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं को कौशल विकास के साथ ही लर्न एंड अर्न की तर्ज पर ऑन जॉब ट्रेनिंग की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की लागू की है। मुख्यमंत्री 4 जुलाई को इस योजना में युवा आवेदकों के पंजीयन की प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल के रवींद्र भवन में होने वाले कार्यक्रम में युवाओं से संवाद भी करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के युवाओं में कौशल विकास क्षमता को बढ़ा कर उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना का प्रभावी क्रियान्वयन शुरू किया है। इस योजना में युवाओं को उद्योगों के साथ सर्विस सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण दिलाते हुए स्टाइपेंड की व्यवस्था की गई है। युवाओं को नवीनतम तकनीक और प्रक्रिया से व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रथम चरण में एक लाख युवाओं को रोज़गारोन्मुखी कौशल में प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है। आवश्यकतानुसार लक्ष्य को बढ़ाया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को 8 हज़ार से 10 हज़ार रूपये प्रतिमाह स्टाइपेंड प्राप्त होगा। प्रशिक्षण के बाद निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अथवा फ़ॉर्मेटिव एसेसमेंट के बाद मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार बोर्ड द्वारा स्टेट काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। इसके लिए योजना से कंपनियों और सर्विस सेक्टर को जोड़ा गया है। योजना में देश एवं प्रदेश के ऐसे औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान पात्र होंगे, जिनके पास PAN और GST पंजीयन है। अब तक लगभग 10 हज़ार 429 प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया जा चुका है। इनमें 23 अन्य राज्य के प्रतिष्ठान भी शामिल हैं। प्रतिष्ठानों द्वारा लगभग 34 हज़ार 690 वेकेन्सी (प्रशिक्षण की सीट) क्रिएट की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में 18 से 29 वर्ष आयु तक के मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी युवा पात्र हैं, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण या उससे उच्च है। चयनित युवा छात्र, प्रशिक्षणार्थी कहलाए जाएंगे। प्रत्येक कोर्स के लिए देय स्टाइपेंड का निर्धारण प्रावधानित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के आधार पर किया गया है। इसमें 12वीं या उससे कम कक्षा उत्तीर्ण युवाओं को 8 हज़ार रूपये प्रतिमाह, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हज़ार 500, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हज़ार तथा स्नातक उत्तीर्ण अथवा इससे उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले प्रशिक्षणार्थी युवाओं को 10 हज़ार रूपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा।

युवा, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना का पंजीयन https://mmsky.mp.gov.in/ पर निःशुल्क कर सकते हैं। पंजीयन के बाद संबंधित को लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड स्क्र अथवा ई-मेल द्वारा प्राप्त होगा। पंजीयन के समय किसी समस्या का समाधान पोर्टल पर दिए गए हेल्प-डेस्क पर संपर्क कर किया जा सकता है।

किसानों के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने बदले हैं मापदंड - मुख्यमंत्री

भोपाल - मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बुरहानपुर जिले के केला उत्पादक किसानों को फसल क्षति पर राशि प्रदान की। जिले में इस वर्ष अप्रैल-मई और जून माह में हुई फसलों की क्षति के लिए प्रभावितों को यह राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से 4261 किसान को 41 करोड़ 85 लाख रूपये की फसल क्षतिपूर्ति राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। प्रभावित फसलों का रकबा 3690 हेक्टेयर था। इसमें से प्रभावित केला फसल का क्षेत्र 3470 हेक्टेयर एवं अन्य फसल का क्षेत्र 219 हेक्टेयर है। केला फसल उत्पादक 3960 किसान है और अन्य फसलों के उत्पादक किसान 301 है।

उल्लेखनीय है कि बुरहानपुर का केला विश्व के कई देशों को निर्यात किया जाता है। राज्य सरकार ने केला उत्पादक किसानों को फसल खराब होने के संकट से मुक्ति दिलवाकर आर्थिक राहत दी है। ÷एक जिला - एक उत्पाद÷ में भी बुरहानपुर जिले में केला उत्पादन का चयन किया गया है। देश के प्रांतों के साथ ही अन्य देशों में भी बुरहानपुर का केला जाता है। यहाँ अनेक केला चिप्स इकाइयाँ और केला पकाने के लिए राईपनिंग चेंबर स्थापित किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों को राहत राशि देने बुरहानपुर में हुए कार्यक्रम में वर्चुअली कहा कि किसानों के कल्याण के लिए सरकार ने कई मापदंड बदले हैं। राजस्व पुस्तक परिपत्र में समय-समय पर ऐसे परिवर्तन किए गए हैं, जिससे किसानों को लाभ मिला है।अब किसानों को फसलों और मकानों की क्षति और मवेशियों की जान जाने पर अधिक राहत राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने फसल क्षति पर नई श्रेणी भी बनाई है। अब जिन किसानों को 25त से 33त फसल हानि होती है, उन्हें भी राहत राशि प्राप्त होगी। दूसरी श्रेणी 33 से 50त क्षति की है। इन्हें भी बढ़ी हुई दर से राहत राशि दी जा रही है। इसके अलावा 50त से अधिक क्षति को पूर्ण हानि मानते हुए राहत राशि देने का प्रावधान किया गया है। अनेक प्रांतों में 25 से 33त नुकसान की श्रेणी नहीं है। राज्य सरकार ने सभी श्रेणियों में राहत राशि को दोगुना किया है।

सरकार ने बढ़ाई राहत की दरें

हानि का प्रकार	वर्ष 2003 से लागू दर	वर्तमान में लागू दर
जनहानि	50 हजार रुपये प्रति मृतक	4 लाख रुपये प्रति मृतक
पशु हानि	625 रुपये से 4125 रुपये प्रति पशु	4 हजार से 37 हजार 500 रुपये प्रति पशु
मकान क्षति	2 हजार रुपये से लेकर 12 हजार रुपये तक	4 हजार से लेकर एक लाख 20 हजार रुपये तक प्रति मकान
फसल क्षति	1 हजार रुपये प्रति हेक्टे. से 2 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर	5 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर से 32 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर
घरेलू सामान क्षति	1 हजार रुपये प्रति परिवार	5 हजार रुपये प्रति परिवार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केले के फसल की क्षति प्रतिपूर्ति की दर दोगुनी कर दी गई है। इस महत्वूर्ण संशोधन के अनुसार अब किसान को केले की फसलों की 25 से 33 प्रतिशत क्षति होने पर राहत राशि 15 हजार से बढ़ा कर 30 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दी जाएगी। इसी तरह 33 से 50 प्रतिशत क्षति होने पर 27 हजार से बढ़ा कर 54 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से राहत राशि दी जाएगी। यदि 50 प्रतिशत से अधिक क्षति हुई है तो मिलने वाली राहत राशि एक लाख के स्थान पर 2 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में किसानों को फसल क्षति पर अधिकतम राशि देने का प्रावधान भी परिवर्तित किया गया है। पूर्व में अधिकतम राशि 3 लाख रूपये तक दी जाती थी, जो अब अधिकतम 6 लाख रूपये तक दी जा सकेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उद्यानिकी फसलों के लिए भी बीमा व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दिन-रात परिश्रम करने वाले किसानों को चिंतित होने की आवश्कता नहीं है। किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा हो, उससे उत्पन्न दर्द का अंदाज किसान ही लगा सकते हैं। बुरहानपुर जिले में पहले भी फसलें नष्ट हुई थीं तो तत्कालीन सांसद स्व. श्री नंदकुमार सिंह चौहान ने किसानों की समस्या रखी थी। राज्य सरकार ने संकट के समय किसानों को पर्याप्त सहायता देने का कार्य किया है। पूर्व में ऐसे संकट के समय किसानों को दी गई मदद इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि अनेक किसानों का बीमा नहीं था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बुरहानपुर, पूरे देश में हर घर में नल से जल के लिए जाना जाने लगा है। इसके पहले सबसे बड़े केला उत्पादक जिले के रूप में बुरहानपुर की पहचान रही है।

किसानों के कल्याण के लिए उठाए गए अनेक कदम

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में पूर्व सरकार ने किसानों को डिफाल्टर बना दिया था। वर्तमान राज्य सरकार ने लगभग 2200 करोड़ रूपये का भुगतान कर किसानों को राहत दी। गत 3 वर्ष में किसानों के लगभग डेढ़ करोड़ से अधिक बीमा दावों की 20 हजार करोड़ की राशि का भुगतान किया गया। किसानों के खाते में करीब पौने 3 लाख करोड़ की राशि के हितलाभ अंतरित किए गए। इसी तरह 49 हजार करोड़ के कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज पर दिए गए। मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना की राशि डेढ़ गुना करते हुए वार्षिक 4 हजार के स्थान पर 6 हजार रूपये की गई। किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की वार्षिक 6 हजार की राशि भी प्राप्त होती है। इस तरह किसान को बारह माह में 12 हजार की राशि मिलेगी। अन्य योजनाओं से भी किसान का परिवार लाभान्वित होता है। इनमें लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना एवं उज्ज्वला योजना, शिक्षण शुल्क की सहायता, कक्षा 12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक मिलने पर मेडिकल और इंजीनियरिंग महाविद्यालय में फीस और आवास योजनाएँ शामिल हैं।

हितग्राहियों ने कहा सरकार ऐसी ही होना चाहिए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा किसानों से शासकीय योजनाओं के संबंध में चर्चा भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रीमती सविता चौधरी, श्री दिगम्बर, श्री सुधाकर चौधरी और श्री रामकृष्ण कोरकू से चर्चा की। इन सभी किसानों को डेढ़ लाख से तीन लाख रूपये के मध्य राहत राशि प्राप्त हुई। श्री रामकृष्ण कोरकू ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि उन्होंने 5 एकड़ क्षेत्र में कृषि कार्य करते हुए ढ़ाई एकड़ क्षेत्र में केले लगाए। इनमें से डेढ़ एकड़ में फसलों की क्षति हो गई। राहत राशि के रूप में एक लाख 30 हजार की राहत राशि राज्य सरकार से मिली है। सरकार ऐसी ही होना चाहिए।

प्रगति पथ पर बढ़ रहा है बुरहानपुर जिला

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि बुरहानपुर जिले में वर्ष 2003 में सिंचाई क्षमता सिर्फ 1675 हेक्टेयर थी, जो अब बढ़ कर 23 हजार 158 हेक्टेयर हो गई है। उद्यानिकी फसलों का क्षेत्र लगभग तीन गुना बढ़ गया है, जो वर्तमान में 32 हजार हेक्टेयर से अधिक है। जिले में 50 हजार से अधिक किसानों को क्रेडिट कार्ड जारी किए गये हैं।

प्रारंभ में वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री श्री चौहान की पहल पर प्रदेश में किए गए किसान-कल्याण कार्यों की जानकारी दी। श्री राजपूत ने कहा कि मंत्रि-परिषद ने किसानों को फसलों के नुकसान पर दी जाने वाली राशि को दोगुना किया है। राजस्व पुस्तक परिपत्र में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। समय-समय पर मुख्यमंत्री किसानों को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। कार्यक्रम में पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल के अलावा पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस, बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविंद्र मोरे, श्री हर्षवर्धन सिंह चौहान, महापौर श्रीमती माधुरी पटेल उपस्थित थीं।

मध्यप्रदेश में बुरहानपुर जिला केला उत्पादन में अग्रणी जिला है, जिसमें 18 हजार 840 किसानों द्वारा 23 हजार 639 हेक्टेयर में केला फसल की खेती की जाती है।

जिले में केले का कुल उत्पादन लगभग 16 लाख 54 हजार 730 मीट्रिक टन है।

जिले में मुख्य रूप से केला टिश्युकल्चर फसल की जी-9, बसराई, हर्षाली, श्रीमंथी, किस्मों का 30 प्रतिशत एवं 70 प्रतिशत सकर्स (बल्ब) द्वारा रोपण किया जाता है। जिले में केला फसल की अनुमानित लागत - खेती की तैयारी, टिश्यु कल्चर पौधे, खाद, उर्वरक, कीटनाशक, ड्रिप इरीगेशन से सिंचाई, निदाई-गुड़ाई, अन्य मजदूरी, तुड़ाई आदि पर केला टिश्यु कल्चर की राशि 3 लाख 19 हजार 262 रूपये प्रति हेक्टेयर तथा केला सकर्स की राशि 2 लाख 80 हजार 844 रूपए प्रति हेक्टेयर कृषकों द्वारा व्यय की जाती है।

जिले में ÷एक जिला - एक उत्पाद÷ अंतर्गत केला फसल की प्र-संस्करण इकाइयाँ जैसे केला चिप्स की 28 यूनिट एवं केला पाउडर की एक यूनिट स्थापित करवाई गई है।

पूर्व में जिले से केला फसल के एक्सपोर्ट का कार्य नहीं किया जाता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशानुसार केला फसल को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए जिले में उत्पादित केला फसल के एक्सपोर्ट के लिए एक्सपोर्टर एवं कृषकों के बीच बैठक करवाकर एक्सपोर्ट गुणवत्ता का केला उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में बुरहानपुर जिले से लगभग 25 से 30 हजार मीट्रिक टन तक केला प्रतिवर्ष ईराक, ईरान, दुबई, टर्की एवं अन्य देशों में निर्यात किया जा रहा है।

मोदी तथा शिवराज सरकार के कार्यों की जानकारी घर-घर - संदीप उपाध्याय

परसवाड़ा के लामता मंडल में आयोजित हुआ बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन

बालाघाट यशोः-परसवाड़ा-भारतीय जनता पार्टी के मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के अंतर्गत परसवाड़ा विधानसभा के लामता मंडल अंतर्गत जैन स्थानम भवन में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। बूथ सम्मेलन में उत्तर प्रदेश से चलकर आये विस्तारक संदीप उपाध्याय ने सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता निष्ठ भाव से निरंतर कार्य करता है बूथ का अध्यक्ष सगठन की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति, पन्ना प्रमुख को अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए बूथ के सभी मतदाताओं निरंतर संपर्क करते रहे तथा निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को सक्रिय करते हुए बूथ पर जितने परिवार है उनके घर जाकर उनका कुशलक्षेम लेते रहना चाहिए इसके साथ ही बूथ पर पार्टी के सभी 6 राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना चाहिए। पार्टी के पदाधिकारियों और बूथ अध्यक्षों को मोदी सरकार और शिवराज सरकार के योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए ताकि विपक्ष के लोगों का जवाब दे सके आप सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की पत्रिकाओ व मैगज़ीन को पढ़ते रहना चाहिए इससे आप के ज्ञान में वृद्धि भी होगी। संदीप उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 साल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मंत्र पर चलते हुए देश के सभी वर्गों के विकास व उत्थान के लिए कार्य किया। महिलाओं, युवाओं, किसानों, शोषितों, वंचितों के लिए तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं को चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने जनजातीय समाज, आदिवासी समाज के लिए तमाम कार्य किये। महिलाओं के लिए लाडली बहध योजना, लक्ष्मी योजना, ई स्कूटी, लक्ष्मी योजना, छात्रवृत्ति सहित तमाम योजनये चलाई जा रही है, मध्यप्रदेश में सांस्कृतिक उत्थान के लिए महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, ओरछा, दतिया, खजुराहो सहित तमाम स्थलों के विकास के लिए कार्य किये गए और किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में किसानों के विकास के लिए 12 हजार रुपये किसान सम्मान निधि सहित शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कर्ज, 3 हजार गौशाला, जैविक खेती, सुदूर सड़क योजना, फसल बीमा योजना सहित तमाम कार्य किये जा रहे हैं। संदीप उपाध्याय ने कहा कि महत्वपूर्ण यह कि कार्यकर्ताओं को सैकड़ों योजनाओं में से महत्वपूर्ण योजनाओं को पढ़ना चाहिए और बूथ पर पात्रों को इसका लाभ दिलवाना चाहिए।

रामकिशोर कावरे ने जिले में किये विकास के ऐतिहासिक विकास के कार्य

विस्तारक श्री उपाध्याय ने संबोधित करते हुए कहा कि परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से मध्य प्रदेश शासन के आयुष एवं जल संसाधन राज्य मंत्री राम किशोर (नानो) कावरे ने तीन साल पहले आज ही के दिन मंत्री पद की शपथ ली थी। मध्य प्रदेश के संपूर्ण महाकौशल क्षेत्र से प्रदेश मंत्रिमंडल में मंत्री बनने वाले वे एकमात्र सदस्य हैं और मंत्रिमंडल में सबसे युवा हैं। आयुष मंत्री श्री कावरे के तीन साल बेमिसाल रहे हैं। उनका तीन साल का कार्यकाल अनेकों उपलब्धियों से भरा हुआ है।

आयुष मंत्री श्री कावरे ने आयुष एवं जल संसाधन विभाग के राज्य मंत्री का दायित्व पूरी जिम्मेदारियो के साथ निभाया है। इन विभागों की योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने और जन जन तक उनका लाभ दिलाने के लिए उन्होंने सार्थक प्रयास किए हैं। मंत्री श्री कावरे ने विकास कार्यों के लिए दलगत और क्षेत्रीय भावना से ऊपर उठकर जनकल्याण की सोच के साथ काम किया है।

मंत्री श्री कावरे के प्रयासों से वर्षों से बंद पड़े सातनारी जलाशय का काम हुआ है। जल संसाधन विभाग के मंत्री होने के नाते उन्होंने इस परियोजना के लिए 10 करोड़ 29 लाख रुपये स्वीकृत कराए हैं और सातनारी जलाशय का काम शुरू करवाया है।

सूखे का दंश झेल रहे परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 55 गांव के 12 हजार किसानों के लिए 146 करोड़ रुपये की लामता माइक्रो पाइप इरीगेशन परियोजना का काम प्रारंभ कराया है। ग्राम बोडुंदाकला में मैंगनीज कलस्टर आधारित पांच बड़े उद्योगों की स्थापना के लिए कारगर प्रयास किए हैं। इससे 5000 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। आयुष मंत्री श्री कावरे ने 750 करोड़ के एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर कर उद्योग क्रांति की शुरुआत परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से की है। धापेवाडा में 10 करोड़ की लागत से 50 बिस्तरों के आयुष अस्पताल की स्थापना काम शुरू कराया है।

आयुष मंत्री श्री कावरे ने आदिवासी बाहुल्य परसवाड़ा क्षेत्र की ग्रामों में सड़कों का जाल बिछाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए हैं। सड़के बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं से राशि लेकर आए हैं उनके प्रयासों से परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 80 करोड़ रुपये की लागत से 50 नई सड़कों का निर्माण प्रारंभ कराया है। बिजली की समस्या के निदान के लिए 5 करोड़ की लागत से बघोली एवं समनापुर में नए विद्युत सब स्टेशन की स्थापना की जा रही है। लामता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया जा रहा है। इसके लिए 13 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कराये गए हैं।

आयुष मंत्री श्री कावरे ने बालाघाट जिले में 40 आयुष हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर की स्वीकृति दिलाई है। लामता कालेज भवन का निर्माण 8 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है। लामता कालेज में एम.ए., एम.एस-सी. कक्षाएं भी प्रारंभ हो रही हैं। परसवाड़ा कॉलेज में ढाई करोड़ की लागत से अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है।

बालाघाट को एजुकेशन हब बनाना हमारी प्राथमिकता रही है और इस दिशा में हम अंत तक प्रयास करते रहेंगे। मैंगनीज कलस्टर आधारित उद्योगों की स्थापना और दुग्ध क्रांति की शुरुआत के लिए हमने इन्वेस्टर सम्मिट कराई है और अब उसके परिणाम सामने आने लगे हैं। सिकलसेल जैसी गंभीर बीमारी भी बालाघाट जिले के कुछ गांव में है हम उसे रोकने मे सफल हो रहे है। मध्य प्रदेश की संवेदनशील सरकार द्वारा सिकलसेल से पीड़ित लोगों को पेंशन प्रदान की जा रही है। यह खुशहाल मध्यप्रदेश की पहचान है। लाडली बहना योजना बना कर हमने बहनों के आत्मसम्मान में वृद्धि की है। हर माह 1000 रुपये मिलने से आज हमारी माताएं बहनें आत्मनिर्भर हो रही है। किसान सम्मान निधि के रूप में हम किसानों को खेती कार्य के लिए सहयोग और संबल प्रदान कर रहे हैं, उनके आत्मसम्मान को बढ़ा रहे हैं। मजबूत किसान समृद्धी की शान से देश भी समृद्ध हो रहा है। निर्बाध रूप से परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव तक बिजली मिलती रहे इसके लिए राज्य शासन से 172 करोड़ रुपए की स्वीकृति दिलाई गई है।

श्री उपाध्याय ने बताया की आयुष मंत्री श्री कावरे ने अपने 3 साल के कार्यकाल में लगभग 5000 करोड़ रुपए के विकास कार्य अपने क्षेत्र के लिए स्वीकृत कराए हैं। 65 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन बन रहे हैं। कोरजा में स्पेशल सेंट्रल एसिस्मेंट मद की 7.70 करोड़ रुपये की राशि से तीन सड़कों के निर्माण का काम शुरू किया गया है।

स्पेशल सेंट्रल एसेसमेंट मद की 02 करोड़ 75 लाख 19 हजार रुपये की राशि से 05 किलोमीटर लंबाई की ठेमा-कोरजा-बोदा सड़क, 02 करोड़ 68 लाख 57 हजार रुपये की लागत से 03 किलोमीटर लंबाई की खैरलांजी से सरेखा सड़क और 02 करोड़ 25 लाख 62 हजार रुपए की लागत से 03 किलोमीटर लंबाई की ठेमा से ढिपुर सडक का निर्माण किया जाना है।

आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए हमें घर घर तक जाना है लोगों से संपर्क करना है और परसवाड़ा विधानसभा को पिछली बार की तुलना में दोगुना मत से जितना है हम सभी कमल के प्रत्याशी है यह मान कर बूथ पर लग जाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष विधानसभा प्रभारी संजय खंडेलवाल ने की, मंडल अध्यक्ष राजेश मेश्राम ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष डा. शंकर बिसेन, मंडल अध्यक्ष राजेश मेश्राम, विस्तारक बालाघाट ग्रामीण अक्षय शुक्ला, मंडल महामंत्री गणेश लिल्हारे, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष खेलेंद्र भरद्वाज, मनोज असाटी, सहित महिला मोर्चा अनुसूचित मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं की उपस्थित रहे।

अवैध शराब के उत्पादन, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर सतत जारी है कार्यवाही

सिवनी यशोः- कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशों के परिपालन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में जहरीली एवं अवैध शराब के उत्पादन, संग्रह, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोक लगाने हेतु सतत कार्यवाही की जा रही हैं।

इसी क्रम में आबकारी विभाग के दल द्वारा 19 जून से 02 जुलाई तक वृत्त उत्तर में 12 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 45.14 ब.ली.मदिरा एवं 350 किग्रा महुआ लाहन अनुमानित मूल्य 36319/-रू. को जप्त कर नष्ट करने की कार्यवाही की गई इसी तरह वृत्त दक्षिण मे 6 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 7440/- रू. मूल्य की 31 ब.ली. मदिरा, वृत्त शहर में 9 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 8181/- रूपये की 9 ब.ली. मदिरा, वृत्त लखनादौन में 5 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 7118/- रूपये की 21.80 ब.ली. मदिरा एवं वृत्त घंसौर में 6 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 6000/- रूपये अनुमानित मूल्य की 25 ब.ली. मदिरा जप्त कर नष्ट करने की कार्यवाही की गई।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने बाढ़ पीड़ितों की किया मदद

सिवनी यशोः- सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन जी ने नगर परिषद लखनादौन के प्रभावित वार्डों का दौरा कर लोगों की समस्याओं को सुनी तथा साथियों के माध्यम से आर्थिक सहायता व अनाज का वितरण कराया गया।

गत दिवस सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन जी द्वारा भारी वर्षा के कारण लखनादौन नगर में आई बाढ़ से प्रभावित हुए वार्डों का दौरा कर प्रभावितों की समस्याओं को सुना। तथा अपनी ओर से पीड़ितों को साथियों के माध्यम से आर्थिक सहायता के साथ ही लगभग 40 क्विंटल गेहूं एवं चांवल का वितरण वार्ड क्रमांक 03, 06, 08 एवं 09 में कराया गया। यह क्रम आज भी जारी रहा। इस दौरान विधायक दिनेश राय मुनमुन ने पीड़ितों से कहा कि ये सहायता सिवनी विधायक द्वारा नहीं की जा रही है। बल्कि ये मुनमुन राय द्वारा की जा रही है ज्ञात दिनों लखनादौन नगर में भारी वर्षा की वजह से कुछ वार्डो में बाढ़ आ गई थी। जिस वजह से लोगो के घरों पानी भर गया और घरों में रखा अनाज भीग जानें के साथ ही अन्य नुकसान भी हुआ था।

बाढ़ के दौरान खतरनाक स्थलों पर न जाएँ - कलेक्टर

मंडला यशोः- कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जिलेवासियों से अपील की है कि बाढ़ के दौरान खतरनाक स्थानों पर न जाएं। इसी प्रकार पुल पर पानी होने की दशा में पुल आदि भी पार न करें। उन्होंने अपनी अपील में कहा है कि अभिभावक भी अपने बच्चों को इस संबंध मे आवश्यक समझाईश दें कि बाढ़ एवं खराब मौसम के दौरान खतरनाक या दुर्घटना संभावित स्थानों पर न जाएँ।

सरकारी जमीन पर बोवनी को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद, 11 लोग घायल होकर पहुंचे अस्पताल

भोपाल। सरकारी जमीन पर बोवनी की बात पर सीहोर जिले में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों की तरफ से लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी से हमला किया गया। घटना में 11 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार सीहोर जिले के बुधनी के रेहटी थाना क्षेत्र के गांव रतनपुर में जमीन पर बोवनी को लेकर विवाद गया है। विवाद में दोनों पक्षों में जमकर हथियार चले। एक पक्ष के 6 लोग तो दूसरे पक्ष से पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। विवाद की सूचना मिलने पर रेहटी पुलिस ने घायलों को रेहटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया व गंभीर घायलों को भोपाल रेफर किया गया। अन्य घायल लोगों को भैरूंदा के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया है। रेहटी पुलिस घायलों से पूछताछ कर जांच में जुटी है। बताया गया है कि भीम आर्मी के लोग भी रेहटी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे हैं।

मामले में बुधनी के एसडीओपी शशांक गुर्जर का कहना है कि उस ग्राम में एक सरकारी जमीन है। जिस पर कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ है। मारपीट में 11 लोग घायल हैं। सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है।

शिवराज ने दी 'जनसेवा मित्र' के दूसरे चरण की सौगात, 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के युवाओं के विकास, कौशल उन्नयन, रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक पहल की है। युवाओं को रोजगार और कौशल विकास देने की मंशा से मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप प्रोग्राम का दूसरा चरण रविवार को शुरू हो गया है। सीखो और कमाओ की तर्ज पर शुरू किए गए इस प्रोग्राम में युवाओं को छह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान हर माह आठ हजार रुपये का स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। योजना में शामिल होने के लिए युवा 10 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। प्रदेश के युवाओं के कौशल विकास, रोजगार साधन और उद्यमिता में सहयोग करने की मंशा के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप प्रोग्राम की कल्पना की। अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ने मुख्यमंत्री के युवाओं के लिए साधे गए इस लक्ष्य को समझा और महज दो माह में इस योजना को आकार दे दिया।

फरवरी में शुरू हुआ पहला चरण

प्रदेशभर के युवाओं को जोडने वाली इस महत्वाकांक्षी योजना में बडी संख्या में युवाओं ने उत्साह दिखाया। प्रदेश के सभी 313 ब्लॉक के करीब पांच हजार इंटर्न की नियुक्ति होनी थी। आवेदन करने वालों की संख्या इससे कई गुना अधिक रही। विभिन्न परख और छंटाई के बाद 4,592 युवाओं को महत्वाकांक्षी प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस योजना से जुड़े युवाओं से फरवरी माह में राजधानी भोपाल में आयोजित बूट कैंप के जरिए बात की और इन्हें सीखने के लिए खुला आसमान दे दिया।

यह सीख रहे हैं युवा

करीब चार माह की प्रशिक्षण अवधि में युवा दुनियाभर की नामी कंपनियों और संस्थाओं से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनमें हावर्ड्स, अमेरिकन इंडियन फाउंडेशन और इनके जैसी कई संस्थाएं शामिल हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक में रहकर प्रशासनिक कार्य विधियां भी सीख रहे हैं।

वास्तविक हितग्राही तक लाभ

करीब चार महीने के इस प्रशिक्षण काल ने युवाओं को जोश से भरा है। आम आदमी की जमीनी और शासकीय कामों की परेशानियो को दूर करने में सहयोग किया है। साथ ही शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में बड़ा सहयोग भी किया है।

अब 10 हजार रुपये किया स्टाइपेंड

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बूट कैंप में युवाओं से किए गए वादे के मुताबिक इनके कार्यकाल को आगे बढा दिया है। साथ ही उनके वेतन में बढोतरी कर आठ हजार के बजाय दस हजार रुपये प्रति माह स्टाइपेंड दिया जा रहा है।

अब तैयारी दूसरे चरण की

दुनियाभर की इकलौती और अभिनव सीखने के साथ कमाई वाली इस योजना में अब कुछ जनसेवा मित्रों को और जोड़ने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 2 जुलाई से शुरू हो गई है। 18 से 29 वर्ष के ऐसे युवा, जिन्होंने स्नातक डिग्री हासिल की है, जिनमें कुछ कर गुजरने का जज्बा है, वे इस योजना से जुड़ सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 10 जुलाई तक जारी रहेगी।

अर्द्धवार्षिक / वार्षिक दरें होगी निर्धारित

हाथ ठेला, फेरीवाले, रेहड़ी वाले, पथ पर विक्रय करने वालो से अब नहीं होगी प्रतिदिन वसूली

सिवनी यशोः- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विगत माह आयोजित महापंचायत में हाथ ठेला, फेरीवाले, रेहड़ी वाले , पथ पर विक्रय करने वाले हितग्राहियों से तहबाजारी / बाजार बैठकी शुल्क को ठेके से नहीं किए जाने एवं प्रतिदिन वसूली बंद किये जाने अनुरोध पर विचार करते हुए ठेकेदारों के माध्यम से की जाने वाली प्रतिदिन तहबाजारी / बाजार बैठकी शुल्क वसूली प्रथा को तत्काल समाप्त करने की घोषणा की गई है एवं प्रतिदिन तहबाजारी / बाजार बैठकी शुल्क वसूली के स्थान पर नगरीय निकायों को अर्द्धवार्षिक/वार्षिक दरें निर्धारित कर उक्तानुसार वसूली किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिसके अनुपालन में कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल द्वारा समस्त नगरीय निकायों को आगामी 7 दिवसों में परिषद की विशेष बैठक बुलाकर अर्द्धवार्षिक/वार्षिक दरें निर्धारित करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त कार्यवाही पूर्ण होने के उपरांत निकायों द्वारा हाथ ठेला , फेरीवाले , रेहड़ी वाले , पथ पर विक्रय करने वाले हितग्राहियों से प्रतिदिन के स्थान पर अर्द्धवार्षिक / वार्षिक राशि वसूल की जावेगी।

पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने समाज को जागृत करने का उल्लेखनीय कार्य किया - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मंदसौर में जारी कथा में वर्चुअली सम्मिलित हुए

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पंडित भीमाशंकर जी शास्त्री, भागवत कथा के मर्मज्ञ हैं। सामाजिक, धार्मिक और रचनात्मक कार्यों में उनका महत्वपूर्ण योगदान हैं। उन्होंने स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन, श्रमदान, मंदिरों के विकास जैसे कार्यों से समाज को जागृत करने का उल्लेखनीय कार्य किया है। पं. शास्त्री बाल विवाह को सामाजिक अपराध मानते हैं और अपनी हर कथा में लोगों से नशे से दूर रहने की बात को दोहराते हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंदसौर के मंडी प्रांगण में हो रहे गुरुदेव श्री भीमाशंकर जी शास्त्री की कथा में निवास कार्यालय समत्व से वर्चुअली सम्मिलित हुए तथा गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव शास्त्री जी की महिमा अनंत है। भगवान कृष्ण के उपासक शास्त्री जी द्वारा धर्म की स्थापना और रक्षा के लिए किए गए कार्य महत्वपूर्ण है। नदी, पर्यावरण और गौ-संरक्षण के साथ-साथ शास्त्री जी ने मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सन्मार्ग पर चलने और सद्‌कर्म के लिए प्रदेशवासियों को उनका आशीर्वाद निरंतर प्राप्त होता रहे, यही हम सबकी कामना है। मंदसौर के मंडी प्रांगण में हुई कथा में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग, विधायक श्री यशपाल सिसोदिया, अन्य जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन प्रगतिरत कार्यो की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सिवनी यशो - कलेक्टर श्री क्षिजित सिंघल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती निधि सिंह राजपूत भी उपस्थित रही। कलेक्टर श्री सिंघल ने विभाग अंतर्गत संचालित समूह एवं एकल नल जल योजना के पूर्ण हुए एवं शेष रहे कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रगतिरत कार्यों की पाइपलाइन डिस्ट्रीब्यूशन, इंटेकवेल एवं ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण को जानकारी लेकर शीघ्र कार्य पूर्ण करने योजना अंतर्गत शेष रहे नवीन कार्यो की टेंडर प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर शीघ्र नल जल योजना के कार्यो का शुरू करवाने के निर्देश जल निगम के अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर श्री क्षिजित सिंघल ने निर्माण एजेंसी को लीकेज नल कनेक्शन, डाउनफाल जैसी समस्या का निदान करने के उपरांत ही सम्बंधित ग्राम पंचायत को योजना को हैंडओवर करने तथा जल जीवन मिशन योजना की मंशानुरूप ग्राम के प्रत्येक घर में नल से शुध्द पेयजल आपूर्ति करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण में जिले को राज्य स्तर पर चतुर्थ स्थान

मंडला यशोः- 1 जुलाई को आयोजित आयुष्मान कार्ड वितरण एवं राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 का शुभारंभ कार्यक्रम शहडोल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडला जिले के 18026 हितग्राहियों को पीवीसी आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण की प्रगति में मंडला जिला राज्य स्तर पर चतुर्थ स्थान पर है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल कार्यक्रम का प्रसारण जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में किया गया जिसमें पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण की कार्यवाही भी की गई। कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण मंडला जिले में 18026 हितग्राहियों को पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण किए गए। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना के निर्देशानुसार शेष ईकेवाईसी की कार्यवाही आशा कार्यकर्ता एवं रोजगार सहायकों द्वारा पूर्ण कर पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण किया जा रहा है।

2108 लोगों को सिकलसेल जेनेरिक स्क्रीनिंग कार्ड वितरित

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में सिकलसेल एनीमिया के मरीजों के चिन्हांकन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सिकलसेल के मरीज के चिन्हांकन के उद्देश्य से शनिवार को आयोजित कार्यक्रमों के दौरान संभावित मरीजों की जांच की गई। बताया गया कि जिले में 2108 लोगों को सिकलसेल जेनेरिक स्क्रीनिंग कार्ड एवं उपचार तथा फॉलोअप पुस्तिका का वितरण किया गया।

जनपद नारायणगंज में बाढ़ नियंत्रण के लिए नंबर जारी

मंडला। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना के निर्देशानुसार वर्षाकाल के दौरान अतिवृष्टि, बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा की संभावनाओं को देखते हुए जनपद पंचायत नारायणगंज में बाढ़ नियंत्रण के लिए नंबर जारी किया गया है। तहसील नारायणगंज का नंबर 9425359361 है। इसी प्रकार थाना टिकरिया का नंबर 07643-224237 है।

जिले में 274.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

सिवनी यशोः- भू-अभिलेख कार्यालय सिवनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 1 जून 23 से 3 जुलाई 23 तक 274.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। विकासखंडवार वर्षा की प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 जुलाई तक विकासखंड सिवनी में 190.6 मि.मी, कुरई में 86.0 मि.मी., बरघाट में 202.0 मि.मी., केवलारी में 259.6 मि.मी., छपारा 252.0 मि.मी, लखनादौन में 596.4 मिमी, धनौरा में 250.7 मिमी एवं घंसौर में 356.0 मिमी. वर्षा, इस प्रकार कुल 2193.3 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। ज्ञात हो विगत वर्ष 03 जुलाई को 22 को कुल 1552.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी।

मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना बैच 2: जिले से 135 युवाओं का किया जाएगा चयन

मंडला यशोः- मध्यप्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण 'मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना÷ के बैच 2 शुभारम्भ किया गया है। यह सरकारी योजना मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए है। इस योजना के तहत हर विकासखंड में 15 और प्रदेशभर में 4695 युवाओं का चयन किया जाएगा जिसमें से 135 इंटर्न (सीएम जनसेवा मित्र) का चयन मण्डला ज़िले के लिए किया जाएगा, जो मण्डला जिले के मूल निवासी हैं जिनको इस योजना के तहत विकास योजनाओं का कार्य अनुभव दिया जाएगा। मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पिछले 2 वर्षो में न्यूनतम 50 प्रतिशत से स्नातक, स्नातकोत्तर उत्तीर्ण आवेदक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 2 से 10 जुलाई 2023 तक ऑनलाइन वेबसाइट https://services.mp.gov.in/main/citizen/services/ui#intr/apply पर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के द्वारा ÷मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र÷ बनने का मौका मिलेगा। चयनित उम्मीदवारों को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 8000 रूपये का स्टायपेंड दिया जायेगा। इंटर्नशिप की कार्यवधि 6 माह की होगी।

3 से 10 अगस्त तक होगा निर्वाचक नामावली का प्रकाशन

सिवनी यशोः- भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रमानुसार विधान निर्वाचन-2023 हेतु सेक्टर ऑफिसर द्वारा आवंटित मतदान केन्द्रों पर संबंधित बीएलओ की उपस्थिति में 03 अगस्त से 10 अगस्त 23 तक निर्वाचक प्रारूप नामावली का वाचन एवं प्रकाशन किया जाना है। उक्त संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सी एल चनाप ने संबंधित अधिकारियों अधिक से अधिक मतदाताओं की उपस्थिति में निर्वाचक प्रारूप नामावली वाचन करने के निर्देश दिए हैं।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाईन प्रक्रिया 5 तक

मंडला यशोः- रानी फूलकुंवर पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में एकलव्य आवासीय योजना के तहत् संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज ने बताया कि प्रथम चरण में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन की अंतिम तिथि 5 जुलाई 2023 के सायं 5 बजे तक है। अनुसूचित जनजाति की ऐसी दसवीं पास छात्राएँ जिनकी परिवार की समस्त स्त्रोतों से कुल आय 1.80 लाख रू. प्रतिवर्ष से कम है, वे संस्था में निःशुल्क प्रवेश के साथ अन्य सुविधायें जैसे- निःशुल्क भोजन, आवास, स्टेशनरी, पुस्तकें तथा 1000 रू. प्रतिमाह शिष्यावृत्ति के लिए पात्र होंगी। प्रवेश काउन्सलिंग में आवेदन के लिए आवेदक किसी भी नजदीकी एमपी ऑनलाईन में जाकर कजमण्उचवदसपदमण्हवअण्पद् मेइपजम पर एकलव्य योजनांगत मण्डला में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में रजिस्ट्रेशन व च्वाईस फिलिंग कराकर म0प्र0 अतिमहत्वाकांक्षी एकलव्य आवासीय योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए पॉलीटेक्निक मण्डला में मो.नं. 7987447600 से संपर्क करें।

अब फूलसागर-नारायणगंज मार्ग में भारी वाहन प्रतिबंधित

निर्माण कार्य की गति बढ़ाने की जगह सड़कों से आवागमन किया जा रहा प्रतिबंधित

मंडला यशोः- जिले में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में ठेकेदार सहित अन्य जिम्मेदारों द्वारा लेटलतीफी की जा रही है और वहीं दूसरी ओर आमजनों की समस्या समाधान करने की जगह हाईवे पर बार-बार आवागमन को प्रतिबंधित किया जा रहा है कुछ माह पहले बबैहा पुल से आवागमन बंद कर दिया अब फूलसागर-नारायणगंज मार्ग से भारी वाहनों का आवागमर प्रतिबंधित किया जा रहा है।

मंडला-जबलपुर मार्ग पर बन रही जाम की समस्या के मद्देनजर कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने कुड़ामैली के संबंधित स्थल का बारिकी से निरीक्षण किया। कलेक्टर ने एमपीआरडीसी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुड़ामैली में डायवर्सन का काम तत्काल प्रारंभ करते हुए उचित गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करें। उन्होंने आगामी 4 दिनों के लिए फूलसागर से बरेला मार्ग में भारी वाहनों के आवागमन को तत्काल प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डायवर्जन का कार्य पूरा होने तक छोटे वाहन एवं यात्री बसों को फूलसागर, नारायणगंज, बरेला मार्ग में जाने की अनुमति होगी। अन्य बड़े एवं भारी वाहन फूलसागर, निवास, मनेरी, बरेला मार्ग से जा सकेंगे।

पूरे समय रखें ड्रायवर सहित क्रेन की व्यवस्था

कलेक्टर ने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंडला से नारायणगंज, कुड़ामैली तक के मार्ग में डायवर्जन के कार्य तथा पुलों के पेंच वर्क का कार्य इसी सप्ताह प्रारंभ करें तथा एक माह में गुणवत्ता के साथ सभी कार्य पूरा करें। उन्होंने फूलसागर पुल के पेंच वर्क एवं रेलिंग कार्य, बबैहा सरफेस के सतह की मरम्मत एवं रेलिंग कार्य तथा बबैहा डायवर्जन कार्य को इसी सप्ताह प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नारायणगंज के पास बालई पुल का भी निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने एसडीएम एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित थाने में पूरे समय ड्रायवर सहित क्रेन की उपलब्धता सुनिश्चित करें ताकि जाम, आदि की समस्या आने पर तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही की जा सके।

अति आवश्यक कार्य के लिए शासन से 25 लाख स्वीकृत

मंडला-बरेला मार्ग में बारिश के दौरान आने वाली समस्याओं के तात्कालिक निराकरण के लिए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसके आधार पर राज्य शासन द्वारा न्यूनतम, वांछित एवं अति आवश्यक कार्य के लिए तत्काल रूप से 25 लाख रूपए स्वीकृत कर दिए गए है।

सुधार कार्य के दौरान प्रशासन का सहयोग करें

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनसे प्रशासन का सहयोग करने की समझाईश दी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्ग में आवश्यक सुधार कार्य कराए जा रहे हैं। ग्रामीण समस्या के समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए सहयोग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भ्रमण के दौरान ग्रामीणजनों की भी समस्याएं सुनें तथा उन्हें जिला प्रशासन के संज्ञान में लाएं।

धन्यजय सिंह संध्या एनएसयुआई अध्यक्ष नियुक्त

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश एन.एस.यु.आई. अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय एन.एस.यु.आई.सचिव प्रदेश प्रभारी नितिश गौर जी द्वारा जिले के उर्जावान युवा धनंजय सिंह संध्या को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जिला सिवनी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। धनंजय सिंह की इस नियुक्ति पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना, जिला प्रभारी चैधरी गंभीरसिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सेवकराम चन्द्रवंशी, बरघाट विधायक अर्जुनसिंह काकोडिया, लखनादौन विधायक योगेन्द्रसिंह बाबा, केवलारी के पूर्व विधायक ठा. रजनीशसिंह, आशुतोष वर्मा, नेहासिंह, जिला कांग्रेस संगठनमंत्री एड. पंकज शर्मा,, जेपीएस तिवारी, मोहनसिंह चंदेल, प्रसन्नचंद मालू, असलम खान, जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री जिला पंचायत उपाध्यक्ष ब्रजेशसिंह लल्लू बघेल, इमरान पटेल, अतुलचंद मालू, विजय नाहटा, सुरेन्द्र करोसिया, विष्णु करोसिया, सुजीत नाहटा, श्रीमती चित्रलेखा शाह नेताम, श्रीमती योगिता सनोडिया, श्रीमती तृप्ति नामदेव, श्रीमती अल्पना राणा, एड. शीरीं अफरोज खान, श्रीमती ललिता बघेल, राजिक अकील, शिव सनोडिया, आनंद पंजवानी, दीवान आजम अली,,एड. पंकज बाउसकर, राजेश मानाठाकुर, सुमित मिश्रा, देवधर सक्सेना, नितिन बघेले, डा. एस.बाबू राव, टिकेन्द्र देशमुख सहित सभी कांग्रेस जनों ने बधाई प्रेषित करते हुये आशा व्यक्त की है कि छात्र-छात्राओं के हित की लड़ाई लड़ेगे एवं कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे।

राष्ट्रीय गान से कार्यालयीन कार्यों की हुई शुरुआत

सिवनी यशोः- माह के प्रथम कार्य दिवस की शुरुआत कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय गान जन गण मन एवं राष्ट्रीय गीत ÷वंदे मातरम÷ का सामूहिक गायन कर कार्यालयीन कार्यों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्री सी एल चनाप, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती निधि सिंह राजपूत सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम स्थापित

मंडला यशोः- कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना के निर्देशानुसार वर्षाकाल के दौरान अतिवृष्टि, बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा की संभावनाओं को देखते हुए जनपद पंचायत मोहगांव में आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का नंबर 8717873763 है। कंट्रोल रूम के प्रभारी ब्लॉक समन्वयक संजय मनोहर जोशी हैं जिनका मोबाईल नंबर 8234002310 है। कंट्रोल रूम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है।

अगले 4 दिन फूलसागर-नारायणगंज मार्ग में भारी वाहन प्रतिबंधित

कलेक्टर एवं एसपी ने किया हाईवे का बारिकी से निरीक्षण

मंडला यशोः- मंडला-जबलपुर मार्ग पर बन रही जाम की समस्या के मद्देनजर कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने कुड़ामैली के संबंधित स्थल का बारिकी से निरीक्षण किया। कलेक्टर ने एमपीआरडीसी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुड़ामैली में डायवर्सन का काम तत्काल प्रारंभ करते हुए उचित गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करें। उन्होंने आगामी 4 दिनों के लिए फूलसागर से बरेला मार्ग में भारी वाहनों के आवागमन को तत्काल प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डायवर्जन का कार्य पूरा होने तक छोटे वाहन एवं यात्री बसों को फूलसागर, नारायणगंज, बरेला मार्ग में जाने की अनुमति होगी। अन्य बड़े एवं भारी वाहन फूलसागर, निवास, मनेरी, बरेला मार्ग से जा सकेंगे।

पूरे समय रखें ड्रायवर सहित क्रेन की व्यवस्था

कलेक्टर ने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंडला से नारायणगंज, कुड़ामैली तक के मार्ग में डायवर्जन के कार्य तथा पुलों के पेंच वर्क का कार्य इसी सप्ताह प्रारंभ करे तथा एक माह में गुणवत्ता के साथ सभी कार्य पूरा करें। उन्होंने फूलसागर पुल के पेंच वर्क एवं रेलिंग कार्य, बबैहा सरफेस के सतह की मरम्मत एवं रेलिंग कार्य तथा बबैहा डायवर्जन कार्य को इसी सप्ताह प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नारायणगंज के पास बालई पुल का भी निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने एसडीएम एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित थाने में पूरे समय ड्रायवर सहित क्रेन की उपलब्धता सुनिश्चित करें ताकि जाम, आदि की समस्या आने पर तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही की जा सके।

अति आवश्यक कार्य के लिए शासन से 25 लाख स्वीकृत

मंडला-बरेला मार्ग में बारिश के दौरान आने वाली समस्याओं के तात्कालिक निराकरण के लिए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसके आधार पर राज्य शासन द्वारा न्यूनतम, वांछित एवं अति आवश्यक कार्य के लिए तत्काल रूप से 25 लाख रूपए स्वीकृत कर दिए गए हैं।

सुधार कार्य के दौरान प्रशासन का सहयोग करें

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनसे प्रशासन का सहयोग करने की समझाईश दी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा आमजन की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए मार्ग में आवश्यक सुधार कार्य कराए जा रहे हैं। ग्रामीण समस्या के समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए सहयोग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भ्रमण के दौरान ग्रामीणजनों की भी समस्याएं सुनें तथा उन्हें जिला प्रशासन के संज्ञान में लाएं।

विकासखंड मोहगाँव में पदस्थ अनामिका दुबे एवं रानु कुम्हरे की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

मंडला यशोः- आशा प्रोत्साहन राशि गबन के मामले मे कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगाँव में पदस्थ अनामिका दुबे विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक (वि.खं. कम्यूनिटी मोबीलाईजर का अतिरिक्त प्रभार) तथा रानू कुम्हरे विकासखंड लेखा प्रबंधक की संविदा सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा

मंडला यशो:- कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सभी विभागों के जनू माह के लंबित सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का समय-सीमा में समुचित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाड़ली बहना योजना से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लें तथा उनके निराकरण के लिए सकारात्मक पहल करें। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर तथ्यात्मक जवाब अंकित करें। शिकायतों के निराकरण में राज्य के औसत से बेहतर रहने का प्रयास करें। उन्होंने बी, सी तथा डी ग्रेड में आने वाले विभागों को अपना प्रदर्शन सुधारने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस के अधिक के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रानी बाटड, अपर कलेक्टर मीना मसराम सहित संबंधित उपस्थित थे।

इस बार पिछले साल से अब तक 146.2 मिलीमीटर अधिक बारिश

मंडला यशोः- जिले में इस वर्ष 1 जून से 1 जुलाई के दौरान 298.4 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 152.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 146.2 मिलीमीटर अधिक वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जुलाई 2023 को मंडला में 1.2 मि.मी., नैनपुर में 15.1 मि.मी., निवास में 39 मि.मी., घुघरी में 5.1 मि.मी. एवं नारायणगंज में 6.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 1 जुलाई को 11.1 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

सर्पदंश के बचाव, इलाज एवं भ्रांतियाँ

मंडला यशोः- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है जिसमें कहा गया है कि बरसात के दिनो में सर्प के काटने के अत्यधिक केस सामने आते हैं। सर्प के काटने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। आमजन सर्पदंश को अनदेखा ना करें। पीड़ित को किसी नजदीकी अस्पताल में तुरंत लेकर जाएं। झाड़-फूक में ना रहें। सांप के दांत के नीचे विष की थैली होती है। सर्प काटने पर विष सीधे शरीर में खून के माध्यम से फैल जाता है। सामान्यतः जहरीले सापों के काटने पर दांतों के दो निशान अलग ही दिखाई देते हैं। गैर बिषैले सांप के काटने पर दो से ज्यादा निशान हो सकते हैं। परंतु ये दिखाइं नही देते हैं। ये सोचना गलत होगा कि सांप ने नहीं काटा। ज्यादातर सांप गैर विषैले भी होते हैं। सांप के काटने पर लगभग 95 प्रतिशत मामलों में पहला लक्षण नींद का आना, इसके साथ ही निगलने या सांस लेने में तकलीफहोना। आमतौर पर सर्पदंश पर आधे घंटे बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं। रस्सी से ना बांधे, ब्लेड से ना काटें। पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल न करें। मुँह से खून ना चूसें। ओझा-गुनिया के पास ना जायें। अंधविश्वास में ना पड़ें।

यथा संभव निम्नानुसार कार्य करें

सांप के काटे व्यक्ति को दिलासा दिलायें। घटना के तथ्यों का पता लगायें। गीले कपड़े से डंक के जगह की चमड़ी को साफकरें जिससे वहाँ पर लगा विष निकल जाये। सांप काटे व्यक्ति को करवट सुलायें क्योंकि कई बार उल्टी भी होने लगती है, करवट सुलाने से उल्टी श्वसन तंत्र में ना जाये। जहाँ पर सांप ने काटा है उस स्थान पर कपड़े से हल्का सा बाँध देवें ताकि हिलना-डुलना बंद हो जाये। सांप काटे व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाने की व्यवस्था बनायें। सर्प के काटने के जहर को मारने के लिए अस्पताल मेंएंटी स्नेक इंजेक्शन निःशुल्क लगाया जाता है, जो अस्पताल में उपलब्ध है। डॉक्टर की सलाह अनुसार उचित उपचार कराएं। अंधेरे में ना जाएं। गड्ढों या बिलों में हाँथ ना डालें। झाड़ियों में ना जायें। पानी भरे गड्ढों में ना जायें तथा पैरों में चप्पल-जूते पहनकर चलें।

4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मंडला यशोः- प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सत्ती बाई ग्राम जेवरा निवासी की सर्पदंश से मृत्यु होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास द्वारा मृतक के निकटतम वारसान को कुल 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मृतक के निकटतम वारसान आवेदक सत्ता को कुल 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि संबंधित के बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बींझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297